आज

पटना रविवार १२ अगस्त २००७ सौर २७ श्रावण संवत २०६४ वि० हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय प्रकाशन का ८७वां वर्ष नगर संस्करण १६+४=२० पृष्ठ दो रुप

लैपटॉप से लैश होंगे शिक्षक

विश्वविद्यालयों में लागू होगी 'चाणक्य' साफ्टवेयर प्रणाली

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। राज्यपाल-सह-कुलाधिपति के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ. आर. कृष्णकुमार ने कहा है कि विश्वविद्यालयों के व्याख्याताओं को लैपटॉप एवं इंटरनेट की सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही हर विश्वविद्यालय के पास अपना अद्यतन वेबसाइट होगा।

राज्यपाल-सह-कुलाधिपति के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ. कृष्णकुमार शनिवार को यहां राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। सेमिनार में सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, कम्प्यूटर विभाग के अध्यक्ष एवं पुस्तकाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। डॉ. कृष्णकुमार ने कहा कि आगामी २५ अगस्त तक विश्वविद्यालयों के लिए आई. टी. की रूपरेखा तैयार हो जायेगी। इसके लिए विश्वविद्यालयों में संसाधन की कमी नहीं होने दी जायेगी।

सेमिनार में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित 'चाणक्य' (एक्जामिनेशन सिस्टम ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर) एवं ई-ग्रंथालय (लाइब्रेरी कम्प्यूटराइजेशन) की विशेषताओं की विस्तृत प्रस्तुति एवं प्रदर्शन किया गया। इसका उपयोग राज्य के सभी बारह विश्वविद्यालयों द्वारा किया जा सकेगा। 'चाणक्य' सॉफ्टवेयर का सफल उपयोग वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। इसे सभी विश्वविद्यालयों में कार्यान्वित करने की योजना है। सेमिनार में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये एनआईसी (दिल्ली) से उप महानिदेशक डॉ. एम. मोनी एवं ई-ग्रंथालय एवं एगमार्कनेट पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी, आई. टी. एवं लाइब्रेरी विशेषज्ञों की अहम भूमिका की चर्चा की। इसके पूर्व राज्य सूचना विज्ञान पदाधिकारी डॉ. सौरभ गुप्ता ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एनआईसी द्वारा किये गये - किये जा रहे कार्यों की चर्चा की। एनआईसी के विशेषज्ञ पी. के. उपाध्याय एवं आर. के. मटोरिया ने ई-ग्रंथालय साफ्टवेयर का प्रदर्शन किया।